

# Mobile manufacturing industry looking up

STATESMAN NEWS SERVICE  
NEW DELHI, 26 APRIL

The Indian mobile manufacturing industry is expected to touch Rs 1,32,000 crore by the end of this year, Mr Ravi Shankar Prasad, Union minister of electronics and information technology, said here today.

Speaking at a function organised by trade body Assocham, he said India manufactured about 110 million mobile phones in 2015-16 as compared to 60 million in 2014-15, showing a growth of over 90 per cent.

In value terms, India's mobile manufacturing industry produced mobile phones worth Rs 54,000 crore in fiscal 2015-16 compared to Rs 18,900 crore in fiscal 2014-15. The same reached Rs 94,000 crore by the end of 2017.

As regards electronics manufacturing units, the minister said within three years, the industry added 120 such units. Two-third of these are mobile manufacturing units and there are 54 such units in Noida alone. The industry employs around five lakh people, he said.

Mr Prasad said India has the world's third largest start-up community after US and



Indian mobile manufacturing industry is expected to touch Rs 1,32,000 crore by the end of this year

RAVI SHANKAR PRASAD,  
MINISTER OF ELECTRONICS AND  
INFORMATION TECHNOLOGY

England. He said that his ministry is working in mission mode to make India's digital sector \$1-trillion economy in next five years and has potential to create 50 lakh to 70 lakh new jobs.

The minister said the BPO industry should move to small towns where overhead costs are less compared to big cities. About 48,000 seats have been planned with distribution across states and UTs based on population percentage. "The government will give grant of Rs 5 crore to start-ups doing innovation in the field of cyber security and health-care," Mr Prasad said.

He said as of now, 250 hospitals across the country have been turned into e-hospitals and more than two crore patients are getting benefitted from these e-hospitals. eNAM has linked more than 500 market mandis.

## LEVERAGE AI FOR NEW SOLUTIONS, ADVISES PRASAD

New Delhi: IT Minister Ravi Shankar Prasad on Thursday asked Indian start-ups to leverage new-age technologies such as AI and Machine-to-Machine communication to create innovative solutions in healthcare and education, particularly for rural areas. Terming India as being "innovative by temperament", the minister said start ups should look at new "out-of-the-box" solutions in demand-driven areas like



cyber security and data analytics, that are increasingly relevant in the digital economy. "How can you leverage Artificial Intelligence, Machine to Machine communication and Internet of Things for healthcare, agriculture and education in rural areas...that is the challenge for you," he said after presenting the 'ICT start-ups awards'. — PTI

## Leverage artificial intelligence for health care & education solutions: Prasad to start-ups

**NEW DELHI:** IT Minister Ravi Shankar Prasad on Thursday asked Indian start-ups to leverage new-age technologies such as Artificial Intelligence and Machine-to-Machine communication to create innovative solutions in healthcare and education, particularly for rural areas.

Terming India as being "innovative by temperament", the minister said start ups should look at new "out-of-the-box" solutions in demand-driven areas like cyber security and data analytics, that are increasingly relevant in the

digital economy.

"How can you leverage Artificial Intelligence, Machine to Machine communication and Internet of Things for healthcare, agriculture and education in rural areas...that is the challenge for you," he said after presenting the 'ICT start-ups awards by Meity ASSOCHAM Ericsson'.

The minister said that start-up companies should utilise the existing network of Common Services Centres (digital kiosks that deliver digital services) as also BPOs that are coming up in smaller towns. PTI

## स्वास्थ्य, शिक्षा बेहतरी के समाधान ढूँढे स्टार्टअप

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बृहस्पतिवार को देश के स्टार्टअप से कहा कि वे खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए स्वास्थ्य देखभाल तथा शिक्षा में अनूठे साधन तैयार करने को लेकर नई पीढ़ी की प्रौद्योगिकी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा मशीन टू मशीन कम्युनिकेशन का अधिक से अधिक फायदा उठाएं।

भारत को स्वभाव से ही अभिनव करार देते हुए मंत्री ने कहा कि स्टार्टअप को साइबर सुरक्षा तथा डाटा एनालिटिक्स जैसे मांग प्रेरित क्षेत्रों में तत्काल इस्तेमाल होने वाले नए साधनों पर गौर करना चाहिए। मेटाएसोचैमएरिक्सन द्वारा आईसीटी स्टार्टअप अवार्ड देने के बाद



**मांग आधारित क्षेत्रों में तत्काल इस्तेमाल होने वाले नए साधनों पर गौर करना होगा**

उन्होंने कहा कि आप ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल, कृषि तथा शिक्षा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन टू मशीन कम्युनिकेशन तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स का फायदा किस प्रकार उठा सकते हैं, यह आपके लिए चुनौती है। एजेंसी

# डाटा विश्लेषण का बड़ा केंद्र बने भारत : रविशंकर प्रसाद

आप भारत को डाटा विश्लेषण का बड़ा केंद्र बनाने में कैसे मदद कर सकते हैं, क्योंकि किसी ने कहा कि डाटा नया तेल है। सरकार को नीति निर्माण के लिए आंकड़ों की जरूरत होती है लेकिन प्राप्त आंकड़े बगैर किसी नाम के हों।  
**रविशंकर प्रसाद, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**



नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। उद्योगपति मुकेश अंबानी द्वारा बार-बार दोहराए जाने वाले बयान से संकेत लेते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने उद्यमियों से भारत को डाटा (आंकड़े) विश्लेषण का केंद्र बनाने में मदद करने की अपील की। उद्योगपति मुकेश अंबानी अक्सर कहते रहे हैं कि 'डाटा नया तेल' है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, उद्योग संगठन एसोचैम और

एरिक्सन के सहयोग से आयोजित एक कार्यक्रम में प्रसाद ने कहा, आप भारत को डाटा विश्लेषण का बड़ा केंद्र बनाने में कैसे मदद कर सकते हैं? क्योंकि किसी ने कहा कि डाटा नया तेल है। मंत्री ने कहा कि सरकार को नीति निर्माण के लिए आंकड़ों की जरूरत होती है लेकिन प्राप्त आंकड़े बगैर किसी नाम के हों। कार्यक्रम स्टार्ट-अप उद्यमों की

पहचान के लिए करवाया गया था। मंत्री ने कहा, मान लीजिए कि किसी क्षेत्र विशेष में भारी तादाद में बच्चे किसी बीमारी से प्रभावित हैं और सरकार उनकी मदद के लिए नीति बनाना चाहती है। हमें आपकी मदद (स्टार्ट-अप) की जरूरत होती है। आपके पास आंकड़े होने चाहिए कि देश के इस भाग में वह ख़ास बीमारी क्यों हो रही है। इस संबंध में भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक आंकड़ों का संकलन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, लेकिन आंकड़े बेनाम हों ताकि पीड़ितों के नाम जाहिर न हों। प्रसाद ने आगे कहा, आंकड़ों की निजता पर मेरा रुख स्पष्ट है कि आंकड़ों की उपलब्धता व उपयोगिता, आंकड़ों का नवोन्मेष व निजता और नाम रहित होने के बीच संतुलन होना चाहिए। मंत्री ने कहा, हम कई आंकड़े सृजित करते हैं उनकी समुचित सुरक्षा होनी चाहिए।

## भारतीय मोबाइल विनिर्माण उद्योग होगा 1.32 लाख करोड़ का : प्रसाद

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसी): इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि चालू वर्ष के अंत तक भारतीय मोबाइल विनिर्माण उद्योग बढ़कर 1.32 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच जाएगा।

प्रसाद ने यहां उद्योग संगठन एसोचैम द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि वर्ष 2014-15 में भारत में 6 करोड़ मोबाइल फोन बने थे जो वर्ष 2015-16 में 90 फीसदी बढ़कर 11 करोड़ पर पहुंच गए। इसी तरह से मूल्य के आधार पर वर्ष 2014-15 में 18,900 करोड़ रुपए के मोबाइल



फोन बने थे जो वर्ष 2015-16 में बढ़कर 54,000 करोड़ रुपए पर पहुंच गया और वर्ष 2017 में यह राशि बढ़कर 94,000 करोड़ रुपए हो गई।

दूरसंचार सचिव अरुणा सुंदरराजन ने कहा कि सरकार नई राष्ट्रीय दूरसंचार नीति का मसौदा सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए एक मई को जारी कर सकती है। यह निवेशक अनुकूल होगी और इसमें अनुपालन की लागत कम होगी।

सचिव ने कहा कि प्रस्तावित राष्ट्रीय दूरसंचार नीति (एन.टी.पी.) 2018 को सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए 15-20 दिन रखा जाएगा।

